

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 496]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 18, 1972/कार्तिक 27, 1894

No. 496,

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 18, 1972 KARTIKA 27, 1894

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th November 1972

S.O. 716(E).—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Authentication (Orders and other Instruments) Rules, 1958, namely:—

1. (1) These rules may be called the Authentication (Orders and other Instruments) Sixth Amendment Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 2 of the Authentication (Orders and other Instruments) Rules, 1958, for entry (17), the following entry shall be substituted, namely:—

“(17) in the case of orders and other instruments relating to the Ministry of Industrial Development and Internal Trade (Department of Industrial Development), by the Commissioner (Industrial Cooperatives), or the Deputy Director (Industrial Cooperatives) or the Director (Appropriate Technology Cell) in that Department; or”.

[No. F.3/11/72-Public I.]

K. R. PRABHU, Jt. Secy.

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 1972

का० प्रा० 718(अ).—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 77 के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिप्रमाणन (आदेश और अन्य लिखित) नियम, 1958 में और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम अधिप्रमाणन (आदेश और अन्य लिखित) षष्ठम संशोधन नियम, 1972 होगा ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. अधिप्रमाणन (आदेश और अन्य लिखित) नियम, 1958 के नियम 2 में, प्रविष्टि (17) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“(17) औद्योगिक विकास और आन्तरिक व्यापार मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) से संबंधित आदेशों और अन्य लिखितों की दशा में, आयुक्त (औद्योगिक सहकारिता), या उपनिदेशक (औद्योगिक सहकारिता) या उस विभाग के निदेशक (समुचित औद्योगिकी सेल) द्वारा; या”।

[सं० फा० 3/11/72—लोक—1]

के० आर० प्रभू, संयुक्त सचिव ।